

# गीत

कालंगरा

सतिगुरु सियाणा स्वामी सुजाणा, सामति माखे दे ।

निमाणे माण निथावे थांव, सचा सद में सदु दे ॥

अमरेश्वर सुखनि जा घर,

श्रीवैदियलि वर जी श्रद्धा दे ।

कजांइ तरसु दिजांइ हरषु, सीअ सरसु सुखिड़ो थिये ॥

अमर कृपाल करि को भालु,

वैदेही बाल श्रद्धा मिठी लगे ।

अमरदास दे को क्यासु, मैगसि आश पूरी थिये ॥

अमरदेव पूर्णसेव पंज्जनि कोद्रियुनि ते परचें ।

दुख जो दरियाहु पारि लंघाइ,

श्रद्धा जा तुम्बा भरे दे ॥

दुखड़ा खण्डि सुखड़ा मण्डि,

गरीबि श्रीखण्डि सदां मिले ।

मैथिलि माग गायूं राग, सेव्यूं सुहाग सचिड़े खे ।

गरीबि श्रीखण्डि को किलिमण्डि, जानिकिचन्द्र जसु चवे ।  
कजांइ दिलेरु दिलि जा शेरु, सुख जो ढेरु मूं बखिशे ॥

देखाइ जांइ न को दुखियो समो,

अमर गुर तुंहिजा चरण चुमो ।

गरीबि श्रीखण्डि जो जुड़ियो अमो,

नाथ निमाणीअ लज रखें ॥